संगीत एवं प्रदर्शन कला विभाग

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

द्वारा आयोजित

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में शोध: महत्त्व तथा चुनौतियाँ

14 व 15 दिसंबर 2023

समय प्रातः 9 बजे से

संरक्षक

माननीया कुलपति
प्रो. संगीता श्रीवास्तव

विभागाध्यक्ष

प्रो. रेनू जौहरी

संयोजक

डॉ. विशाल जैन

कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में शोध: महत्त्व तथा चुनौतियाँ

कला एवं संस्कृति से किसी भी देश के सांस्कृतिक विकास का बोध होता है। यह विकास सामाजिक, आर्थिक एवं राष्ट्रीय विकास से अविच्छिन्न रूप से जुड़ा रहता है। भारतवर्ष अपनी बहुरंगी संगीत परम्परा, नृत्य, नाट्य , लोक कला, धार्मिक संस्कार- अनुष्ठान एवं दृश्य श्रव्य कलाओं हेतु विश्व प्रसिद्ध है, साथ ही प्राचीन स्मारक, साहित्य, दर्शन, त्यौहार, मेले, खानपान, हस्तकला इत्यादि की दृष्टि से विश्व के अग्रगण्य देश के रूप में स्थापित माना जाता है।

ऐतिहासिक रूप से, सातत्य एवं प्रवाह की निरंतर प्रक्रिया को समझकर तत्कालीन कला व संस्कृति का प्रयोजनमूलक शोध कार्य, एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण कार्य है। इस हेतु शास्त्र परम्परा का अवलोकन करना एवं आधुनिक संदर्भ में उसका अंत:संबंध स्थापित करना एक शोध कर्त्ता का महत्त्वपूर्ण दायित्व बनता है। कला एवं संस्कृति विषयक शोध कार्यो का महत्त्व, उद्देश्य, विस्तार, आयाम विविध दृष्टिकोणों से वृहद रूप में है।

इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य, कला एवं संस्कृति विषयक विविध शोध प्रक्रियाओं को जानने, समझने, चिंतन एवं मंथन करके इसकी चुनौतियों एवं महत्त्व के प्रति सामाजिक जागरुकता फैलाने का प्रयास है।

कला एवं संस्कृति के मुख्य विषय -

- ★ संगीत (गायन, वादन, नृत्य एवं संगीतशास्त्र का शास्त्रीय व लोक स्वरूप)
- ★ नाट्यकला संदर्भित शोध
- ★ लोक व जनजातीय कलाएं व संदर्भित शोध
- ★ दृश्य कलाओं का स्वरूप व संदर्भित शोध
- ★ धार्मिक अनुष्ठान व आध्यात्मिक परंपराएं
- ★ साहित्य, दर्शन एवं संदर्भित शोध
- ★ प्राचीन स्मारक एवं संदर्भित शोध
- ★ त्यौहार, पर्व एवं मेलों का स्वरूप व संदर्भित शोध
- ★ हस्तकला, खानपान एवं संदर्भित शोध
- ★ अन्य कला संस्कृति विषयक बिंदु

नोट:- उपरोक्त मुख्य विषयों का उप विषयों के साथ शोध के परिप्रेक्ष्य में ही लेखन किया जाना अभिप्रेत है।

उप विषय

- कला विषयक शोध प्रविधि
- शास्त्रीय व लोक परम्पराओं का अंतः सम्बन्ध
- वैज्ञानिक एवं प्रयोगपरक शोध
- शोध का बदलता स्वरूप
- वैश्विक धरातल पर सांस्कृतिक शोध
- कला, संस्कृति की मौखिक परम्परा
- कला, संस्कृति परक शोध की गुणवत्ता
- शोध की भाषा, अनुवाद एवं विश्लेषण
- अंतरविषयी एवं बहुविषयी शोध
- शिक्षण संस्थाओं व कलाकारों के दृष्टिकोण
- शोध हेतु संसाधन
- कौशल विकास में कला संदर्भित शोध की भूमिका
- कला, संस्कृति एवं संगीत अकादमियों की शोध संदर्भित भूमिका
- पांडुलिपि संरक्षण
- कला संदर्भित शोध का सामाजिक एवं राष्ट्रीय महत्त्व
- संगीत एवं रोजगार परक आयाम
- कला पत्रकारिता, पुस्तक समीक्षा एवं कला दस्तावेजीकरण

शोध प्रपत्र भेजने हेतु निर्देश

1- शोध प्रपत्र/ लेख - हिंदी में कृतिदेव -10 फॉन्ट साइज -14 व अंग्रेजी में टाइम्स रोमन, फॉन्ट साइज -12 में स्वीकृत किये जाएंगे ।

2- अधिकतम शब्द सीमा - 2500

3- सारांश -150 शब्द व 4 -5 मुख्य शब्द

4- मौलिक व अप्रकाशित शोध प्रपत्र/ लेख ही प्रकाशित हो सकेंगे

5- शोध प्रपत्र लेख PDF व Word File दोनो फॉर्मेट में भेजें

6- प्रपत्र भेजने के लिए E- Mail ID - ritfoac@gmail.com

7- प्रपत्र भेजने की अंतिम तिथि- 10 दिसंबर 2023

8- प्रपत्र International, Peer Reviewed, Refereed Journal में प्रकाशित किए जाएंगे।पंजीकरण शुल्क -

शिक्षकों के लिए - 2500/-

शोधार्थियों के लिए -1800/-

विद्यार्थियों के लिए - 700 /-

- UPI QR Code

शुल्क जमा करने हेतु बैंक का विवरण :

बैंक का नाम - ICICI Bank

खाता संख्या - 066001000726

IFSC Code - ICIC0000660

खाता धारक का नाम- M/S.UNIVERSITY OF ALLAHABAD INTERNATIONAL REVENUE GENERATED SCHEME A/C

रजिस्ट्रेशन लिंक https://forms.gle/Gw3rcBhxtiXt1gBJ6

संपर्क सूत्र -

डॉ. विशाल जैन - 9935781039

नमः शिवाय तिवारी - 9455324922

हरेंद्र प्रताप सिंह - 9839784855

नोट- सेमिनार Hybrid mode (Online and Offline) में कराया जाएगा।

Department of Music and Performing Arts

University of Allahabad, Prayagraj

Organizes

An International Seminar On

Research In the Field of Art and Culture: Significance & Challenges

14th &15th December 2023

Time - 09:00 AM Onwards

Patron

Hon. Vice Chancellor
Prof. Sangeeta Srivastava

Head

Prof. Renu Johri

Convener

Dr. Vishal Jain

Research in the Field of Art & Culture: Significance & Challenges

The Cultural Development of any Nation is reflected through its Art & Culture. The term 'Culture' is deeply rooted in Social & Economical Structure and leads to the National Development.

The Glory of Bharat has been written in Golden Words regarding it's multicoloured Musical Traditions, Dance and Drama, Folk & Tribal Arts, Spiritual Traditions and Visual Arts. The Indian Culture is admired at Global level through the ages.

A significant contribution towards the Preservation & Promotion of Art and Culture can only be recorded by Quality Research.The responsbility of a researcher is of utmost importance. The Review of available literature and it's relavance in present context should be the focus of a good research ,Therefore the purpose of this seminar is to Revisit the Techniques and Dimensions of Rigorous Research Studies.

The two days of brainstorming discussion and exchange of Ideas would be very fruitful to throw light on the various aspects of Important strategy and planning for the newer perspective in the field of Cultural Research, which will also address the Challenges in this area.

Main Themes of Art and Culture

- ★ Music (Classical & Folk Structure of Vocal, Intrumental, Dance & Musicology)
- ★ Theatre & related Research
- ★ Folk and Tribal Arts & related Research
- ★ Visual Arts & related Researh
- ★ Religious Rituals & Spiritual Traditions
- ★ Literature, Philosophy & related Research
- ★ Monuments & related Researh
- ★ Fairs, Festivals & related Research
- ★ Handicraft, Food Culture & related Research
- ★ Other Subjects related to Art & Culture

Note: The paper should be exclusively focussed on the Research Perspectives of the given Themes and Subthemes.

Subthemes

- Research Methodology in Arts
- Inter Relationship of Classical & Folk Traditions
- Scientific and Practical oriented Reasearch
- Changing View Of Research
- Cultural Research In Global Context
- Oral Tradition of Art & Culture
- Quality Research in the field of Art and Culture
- Language, Translation and analysis of Research
- Interdisciplinary & Multidisciplinary Research
- Research Oriented views from Educational Institutes and Artists
- Resources for Research
- Role of Art Oriented Research In Skill Development
- Research Oriented Role of Art, Culture and Music Academies
- Menuscript Preservation
- National and Social importance of Art Oriented Research
- Vocational Aspects of Music
- Cultural Journalism, Book Review and Art Documentation

Guidelines for Paper Submission

1. Paper should be written in Hindi (Krutidev-10 font size-14) and in English (Times roman font size-12)

2. Maximum word limit- 2500

3. Abstract-150 words along with 4-5 keywords

4. Paper should be original and unpublished

5. Send your Paper in both format PDF & Word File.

6. Mail your research paper /articles on- ritfoac@gmail.com

7. Last date for paper submission- 10th December 2023

8. Papers will be published in International, Peer Reviewed, Refereed Journal .

Registration fees -

For Teachers-2500/-

For Scholars-1800/-

For Students-700/-

- UPI QR Code

Bank Details for fee deposit :

Name of Bank - ICICI Bank

Account No - 066001000726

IFSC Code - ICIC0000660

Account Holder Name- M/S.UNIVERSITY OF ALLAHABAD INTERNATIONAL REVENUE GENERATED SCHEME A/C

Registration Link - https://forms.gle/Gw3rcBhxtiXt1gBJ6

Contact details -

Dr. Vishal Jain - 9935781039

Namah Shivay Tiwari - 9455324922

Harendra Pratap Singh - 9839784855

Note- Seminar will be on Hybrid Mode (Online and Offline)